राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

पाठ्यक्रम का नाम : 'आरंभिका' हिन्दी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

1 पाठ्यक्रम के उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद शिक्षार्थी में -

- हिंदी भाषी के साथ सामान्य बातचीत करने की योग्यता का विकास होगा;
- हिन्दी में अपनी मूलभूत इच्छाएं, आवश्यकताएं व्यक्त करने की योग्यता का विकास होगा ;
- दिन-प्रतिदिन की स्थितियों जैसे अभिवादन, दैनिक गतिविधियों, सामान्य वस्तुओं की खरीद, साइनबोर्ड पढ़ कर या पूछकर अपना मार्ग खोजने की क्षमता का विकास होगा;
- सुनने, बोलने और पढ़ने और लिखने संबंधी कौशलों का विकास होगा ;
- बुनियादी हिंदी शब्दावली, व्याकरण का ज्ञान प्राप्त होगा ;
- हिन्दी भाषियों के साथ बाज़ार, बस स्टैन्ड, मेट्रो स्टेशन आदि सार्वजनिक स्थानों, पर्यटन स्थलों में निर्बाध व्यवहार करने की योग्यता का विकास होगा;
- भारतीय समाज के जन-जीवन, रहन-सहन, संस्कृति, खान-पान के प्रति रुचि उत्पन्न होगी।

2 पाठ्यक्रम की अवधि

पाठ्यक्रम की अवधि 06 माह है।

3 मूल्यांकन पद्धति

स्व मूल्यांकन : पाठ्यक्रम में शिक्षार्थी पाठों में शामिल विभिन्न प्रश्नों, गतिविधियों के माध्यम से अपना मूल्यांकन करते रहेंगे। पाठ के अन्त में दिए गए सही उत्तरों से अपने उत्तरों का मिलान करके निरंतर अपना मूल्यांकन करते रहेंगे। इस तरह पाठ्यक्रम में स्व मूल्यांकन की पद्धति अपनाई गई है।

बाह्य मूल्यांकन :पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद शिक्षार्थी का बाह्य मूल्यांकन होगा। मूल्यांकन निम्नांकित प्रकार से होगा :

परीक्षा की संख्या	**अधिकतम अंक**	**अवधि**
सिद्धांत (1)	50	2 1/2
प्रायोगिक(1)	50	2

इसमें पाठ आधारित प्रश्न होंगे। प्रश्न वस्तुनिष्ठ और अति लघु उत्तरीय रूप में होंगे।

सिद्धान्त परीक्षा का आयोजन भारतीय मानक समय (आईएसटी)के अनुसार होगा। शिक्षार्थियों को इसकी सूचना यथासमय दी जाएगी।

परीक्षा का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए सैद्धांतिक परीक्षा रेमोटली प्रोक्टर्ड(Remotely proctored)
होगी।

प्रायोगिक परीक्षा में शिक्षार्थी, दिये गए प्रश्नों के उत्तर रेकॉर्ड करके अपलोड करेंगे।

सिद्धांत परीक्षा के लिए निर्धारित कुल अंक : 50 अंक

बहुविकल्पीय प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक : 20 अंक

अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक : 30अंक

प्रायोगिक परीक्षा : 50 अंक

सुनना 15 :

पढ़ना 15 :

बोलना 20 :

4 प्रमाणन का मानदंड :

आरंभिका पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने के लिए शिक्षार्थी को न्यूनतम 33%अंक प्राप्त करने होंगे । सिद्धांत और प्रायोगिक परीक्षा में % 33अंक अलगअलग प्राप्त करने होंगे। उत्तीर्ण होने पर शिक्षार्थी को प्रमाणपत्र जारी किया - जाएगा ।

5 प्रमाणपत्र : परीक्षा की घोषणा के बाद यद्यपि सभी उत्तीर्ण शिक्षार्थियों के प्रमाणपत्र डिजिलॉकर में उपलब्ध होंगे, फिर भी यदि शिक्षार्थी चाहें तो रु 400/- के भुगतान पर प्रमाणपत्र की मुद्रित प्रति प्राप्त कर सकते हैं।

6 शुल्क संरचना

पाठ्यक्रम	पंजीकरण शुल्क (भारतीय रूपये में)	परीक्षा शुल्क (भारतीय रूपये में)
'आरंभिका'	1200/-	सिद्धांत परीक्षा के लिए 250/- प्रायोगिक परीक्षा शुल्क : 120/-
विलंब शुल्क	100/-	100/-
प्रत्येक ट्रांसैक्शन पर 50/- रुपए का प्रोसेसिंग शुल्क भी देय होगा ।		
शुल्क का भुगतान क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/ नेट बैंकिंग,उपलब्ध माध्यमों द्वारा केवल ऑनलाइन द्वारा ही किया जाएगा।		

-:x:-